37662 - एक प्रसुता महिला ने प्रसव के बाद 40 दिन पूरे कर लिए, लेकिन वह अभी तक पवित्र नहीं हुई है, तो क्या वह रोज़ा रखेगी और नमाज़ पढ़ेगी?

प्रश्न

क्या जिस महिला ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है, उसके लिए रमज़ान का रोज़ा रखना अनिवार्य है, यह जानते हुए कि उसने चालीस दिन पूरे कर लिए हैं और वह अभी भी निफ़ास (प्रसवोत्तर अवस्था) में है, जिसका अर्थ यह है कि वह अभी तक पवित्र नहीं हुई है?

विस्तृत उत्तर

निफ़ास (बच्चे के जन्म के बाद रक्तस्राव) की अधिकतम अवधि के बारे में विद्वानों में मतभेद है। अधिकांश विद्वानों का मत है कि यह बच्चे को जन्म देने के बाद चालीस दिन का समय है।

इसके आधार पर, जिस महिला का रक्तस्राव चालीस दिनों से अधिक समय तक जारी रहता है, यदि यह रक्त उसके नियमित मासिक धर्म चक्र के साथ मेल खाता है, तो वह मासिक धर्म वाली समझी जाएगी; और यदि यह उसके नियमित मासिक धर्म चक्र के साथ मेल नहीं खाता है, तो यह इस्तिहाज़ा (अनियमित गैर-मासिक रक्तस्राव) का खून है। इसलिए वह चालीस दिन के बाद ग़ुस्ल करेगी और रोज़ा-नमाज़ करेगी। तथा वह अन्य पवित्र महिलाओं की तरह पवित्र होगी।